

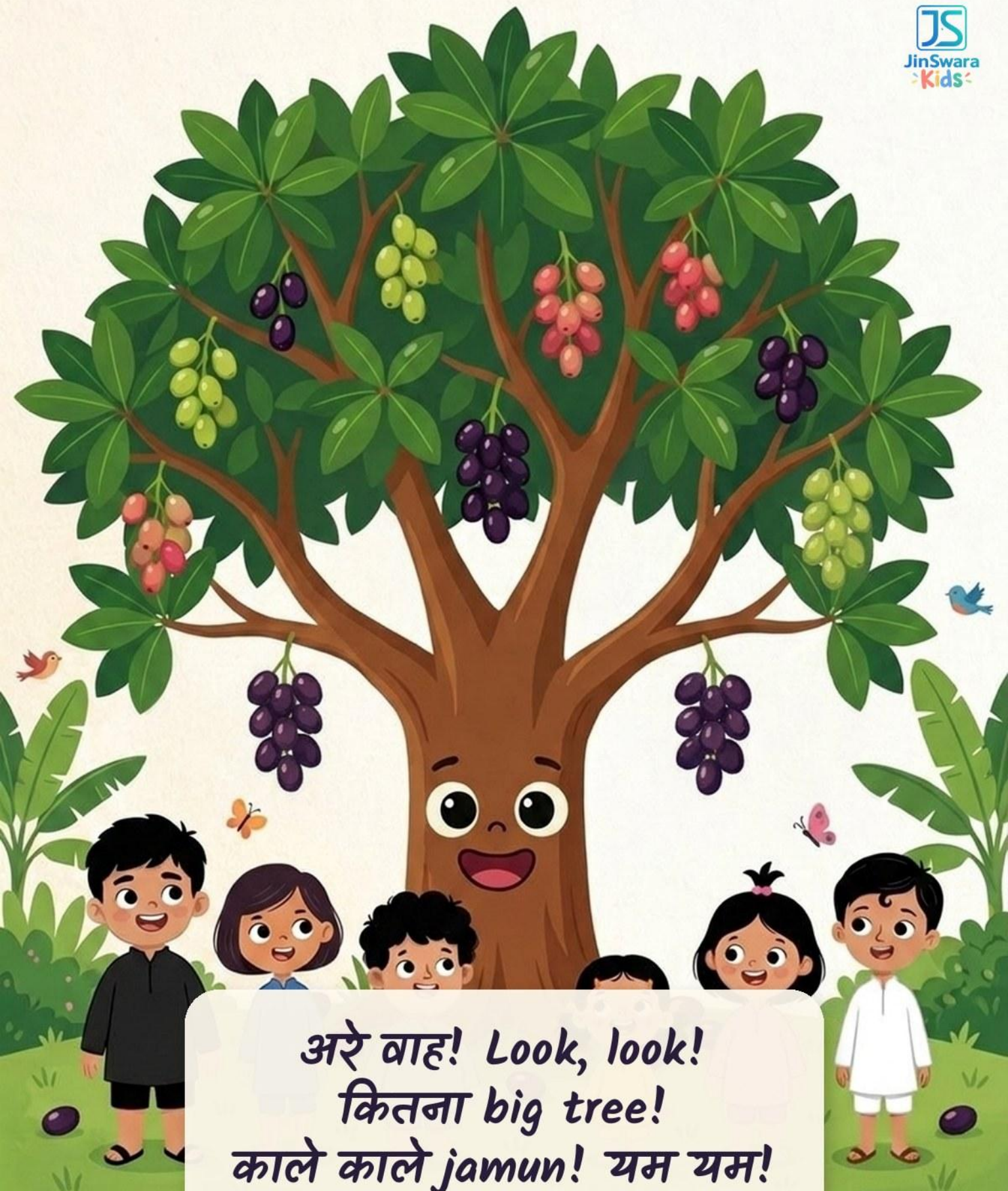
जामुन का पेड़

छह दोस्त, छह लेश्या



छह friends चले जंगल में।
भूख लगी! पेट बोला गुड़ गुड़!
कहाँ है कुछ yummy?





अरे वाह! Look, look!
कितना big tree!
काले काले jamun! यम यम!

Black friend बोला: "पूरा tree काट लो!"
खट... खट... खट!
Tree बोला: "ना ना ना!"



कृष्ण लेश्या

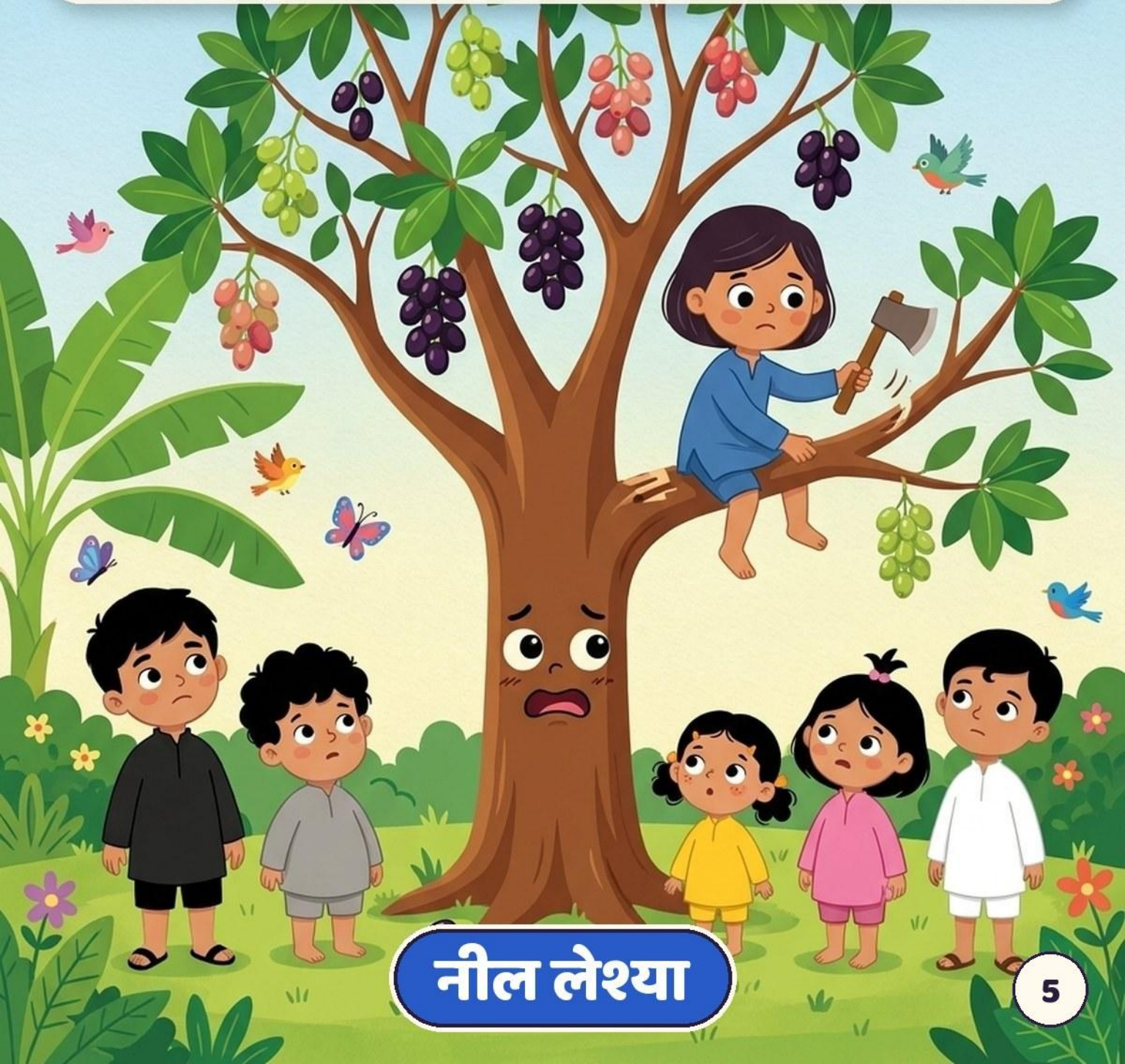


कृष्ण लेश्या के भाव

- बहुत तेज़ गुस्सा
- बैर नहीं छोड़ना, झगड़ा करना
- मन में दया और धर्म नहीं
- किसी की बात नहीं मानना

"मैं बहुत गुस्सा करता हूँ,
किसी को माफ़ नहीं करता।
मैं कृष्ण लेश्या वाला हूँ।"

Blue friend बोली: "बड़ी branch काट लो!"
खट... खट!
Tree बोला: "ना ना ना!"



नील लेश्या

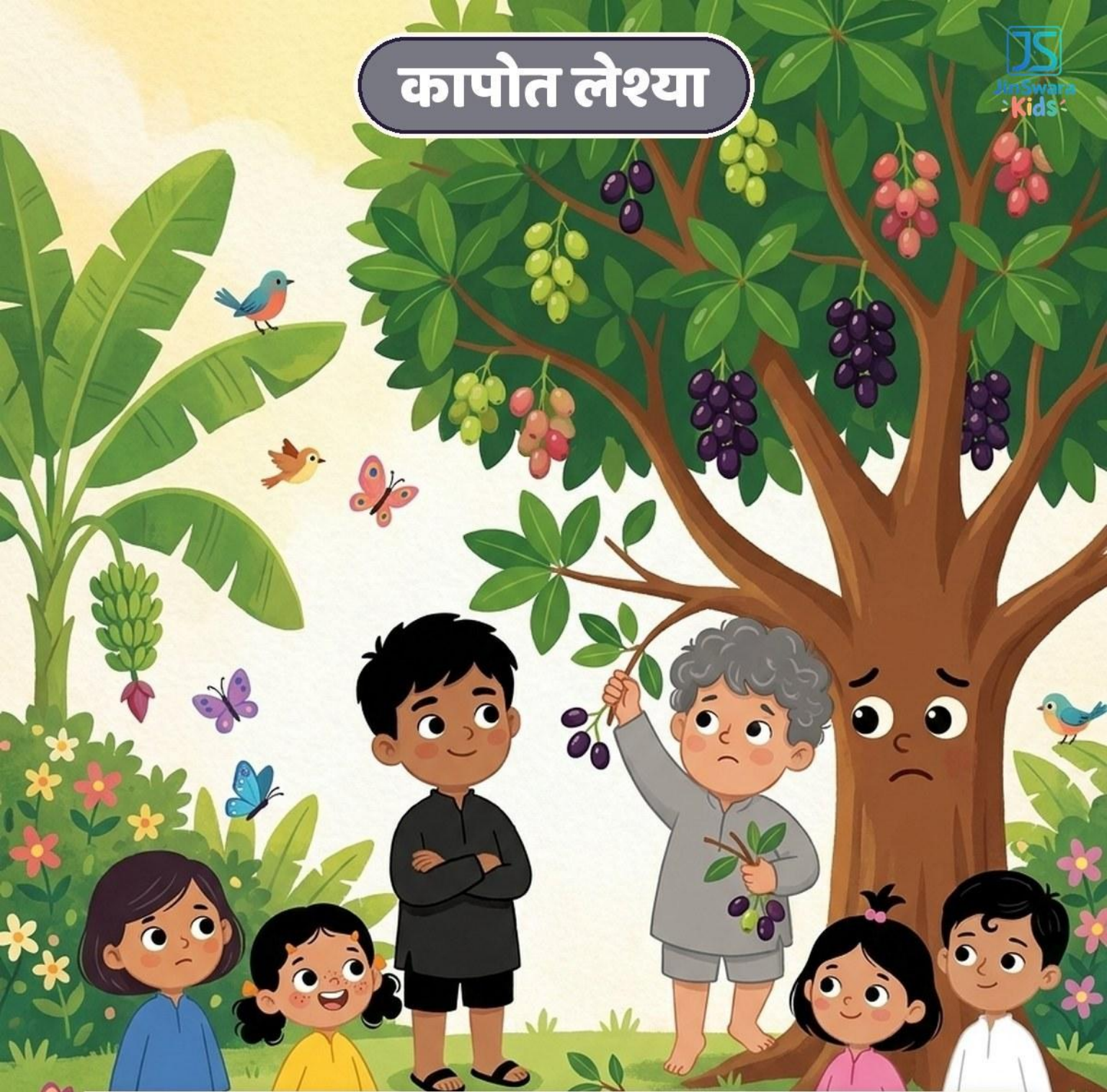


नील लेश्या के भाव

- बहुत सोना
- दूसरों को ठगना, चालाकी करना
- धन और चीज़ों का बहुत लालच

"मुझे सब कुछ ज़्यादा चाहिए,
और मैं बहुत सोती हूँ।
मैं नील लेश्या वाली हूँ।"

कापोत लेश्या



Grey friend बोला: "छोटी twigs तोड़ लो!"
कड़... कड़... कड़!
Tree बोला: "ना ना ना!"



कापोत लेश्या के भाव

- दूसरों पर गुस्सा, उनकी बुराई करना
- अपनी तारीफ़ खुद करना
- किसी पर भरोसा नहीं, बहुत डर और दुख
- सही गलत नहीं सोचना

"मैं सबकी गलती निकालता हूँ
और अपनी तारीफ़ करता हूँ।
मैं कापोत लेश्या वाला हूँ।"

Yellow friend बोली: "Jamun के गुच्छे
तोड़ लो!"

छटुक... छटुक!
Tree बोला: "ना ना..."



पीत लेश्या



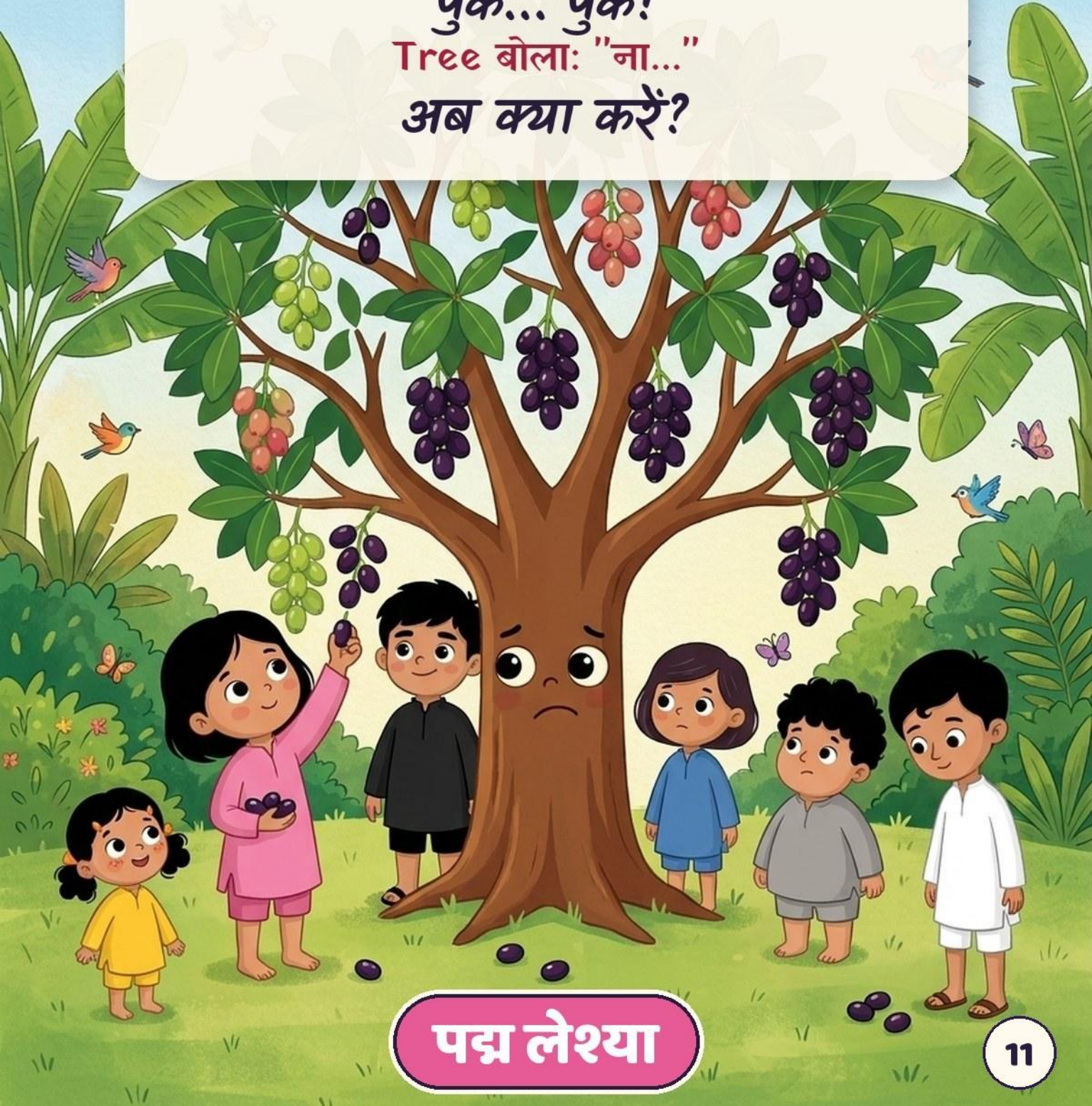
पीत लेश्या के भाव

- सही और गलत को पहचानना
- सबको एक जैसा देखना
- दया और दान अच्छा लगना
- मन, बोली और काम में नरमी

"मैं सबसे प्यार से बोलती हूँ
और सबकी मदद करती हूँ।
मैं पीत लेश्या वाली हूँ।"

Pink friend बोली: "बस पके jamun
तोड़ लो!"

पुक... पुक!
Tree बोला: "ना..."
अब क्या करें?



पद्म लेश्या



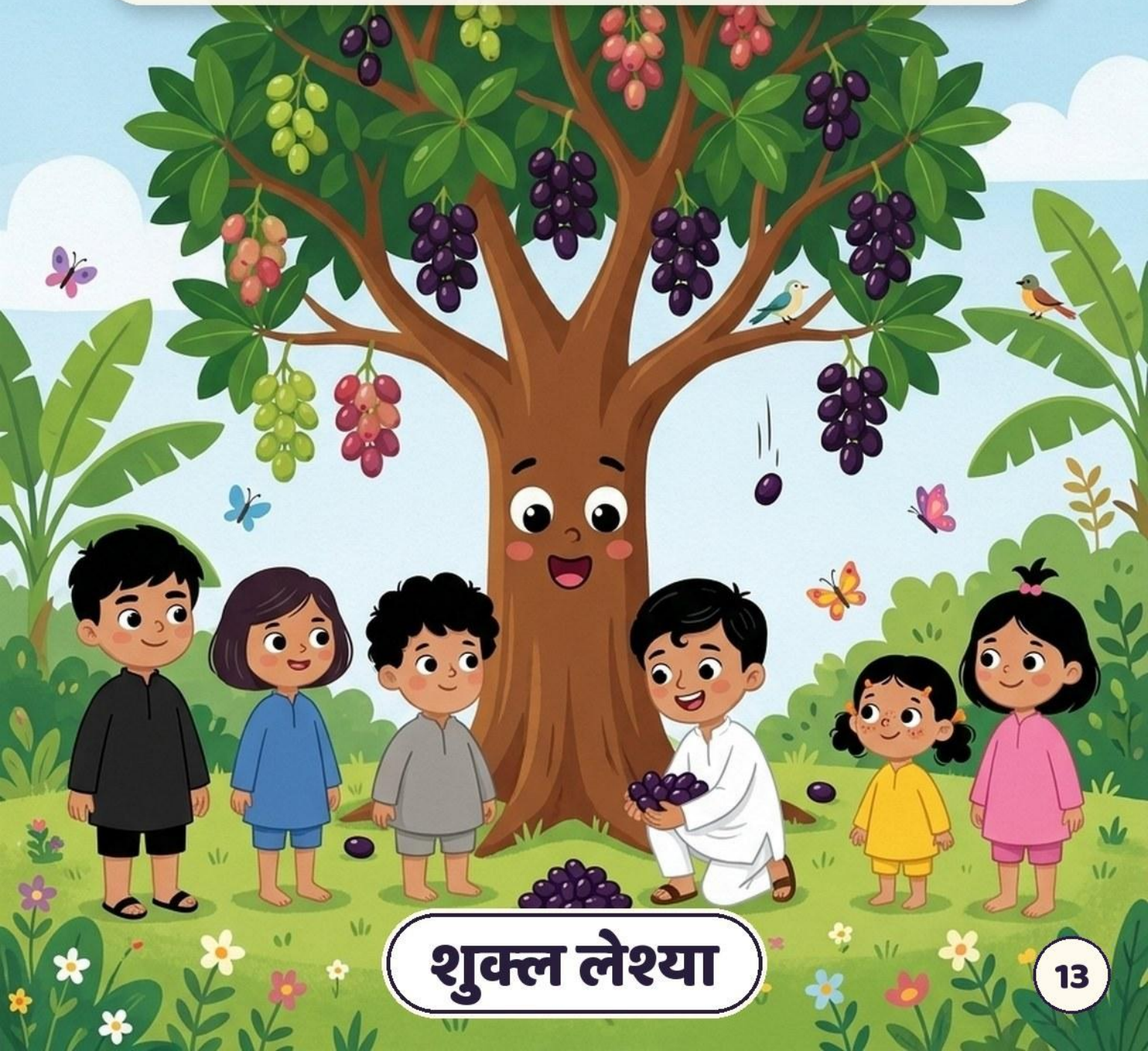
पद्म लेश्या के भाव

- अपनी चीज़ खुशी से दे देना
- सीधा सरल मन, अच्छे काम में मेहनत
- बहुत कुछ सह लेना, माफ़ कर देना
- मुनि और गुरु की भक्ति करना

"मैं अपनी चीज़ खुशी से देती हूँ
और जल्दी माफ़ कर देती हूँ।
मैं पद्म लेश्या वाली हूँ।"

White friend बोला: "नीचे गिरे jamun
उठा लो!"

टप... टप... टप!
इतने सारे jamun!



शुक्ल लेश्या



शुक्ल लेश्या के भाव

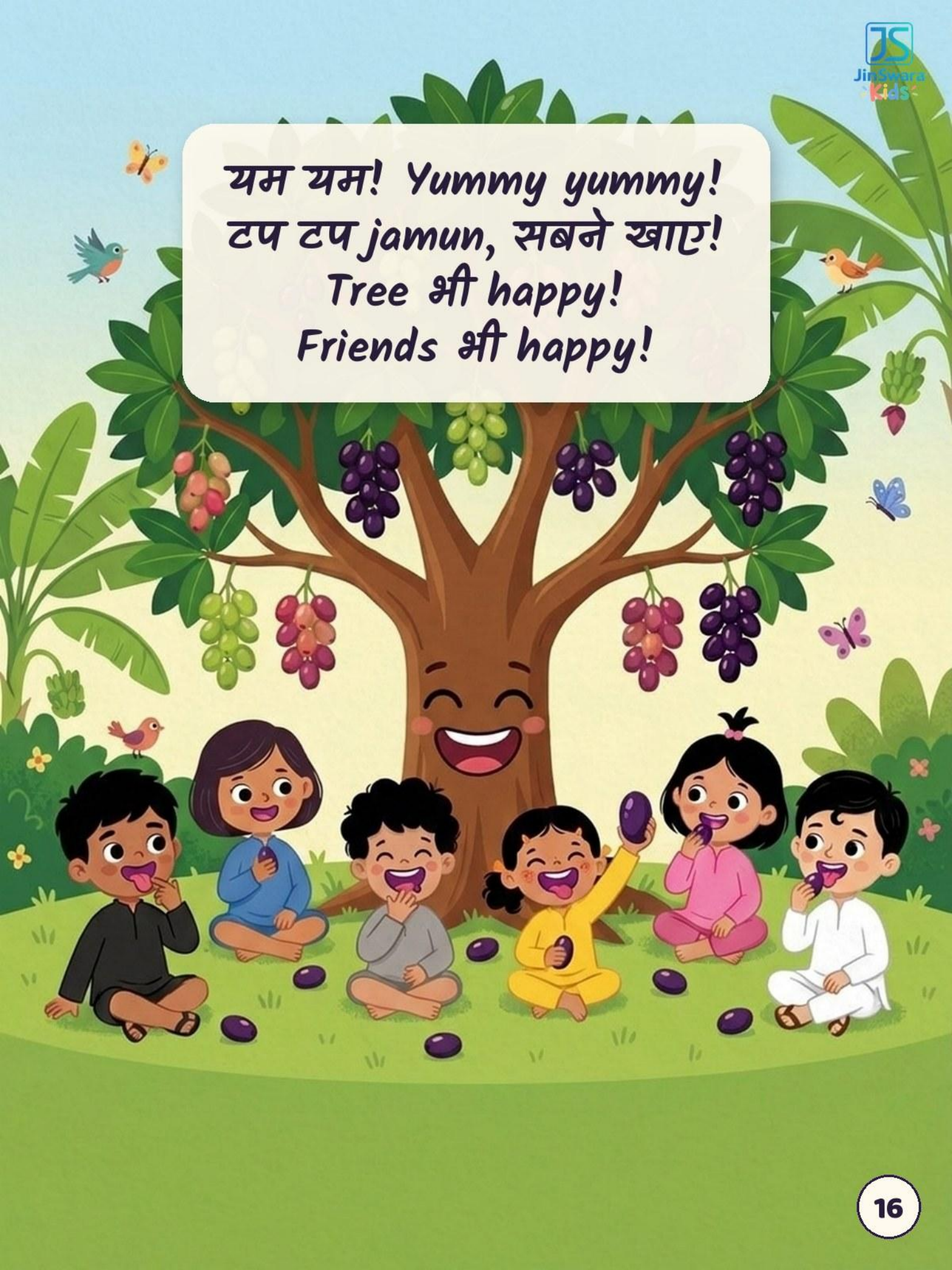
- किसी का पक्ष नहीं, सब बराबर
- धर्म के बदले कुछ नहीं माँगना
- अच्छा लगे या बुरा, न राग न द्वेष
- किसी से ज्यादा मोह नहीं

"मेरे लिए सब बराबर हैं,
न किसी से राग, न द्वेष।
मैं शुक्ल लेश्या वाला हूँ।"

"गिरे jamun खा लो!
Tree को चोट नहीं लगेगी।"
Tree बोला: "हाँ हाँ हाँ!"



यम यम! Yummy yummy!
टप टप jamun, सबने खाए!
Tree भी happy!
Friends भी happy!



जितना चाहिए, उतना लो।
किसी को दुख मत दो।
Tree happy... हम भी happy!



मम्मी पापा के लिए

लेश्या यानी मन के भावों का रंग।
छहों friends को एक जैसी भूख थी, पर मन के भाव अलग
अलग थे।

पेड़ के लिए जिसके भाव जितने कठोर, रंग उतना गहरा।
जिसके भाव जितने कोमल, रंग उतना उजला।
कृष्ण, नील, कापोत, पीत, पद्म, शुक्ल।
बच्चे से पूछिए: "आज आपके मन का रंग कौन सा था?"





जामुन का पेड़

छह दोस्त, एक जामुन का पेड़,
और एक सवाल:

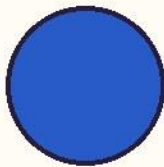
जितना चाहिए, उतना लो।

किसी को दुख मत दो।

छह लेश्याओं की प्यारी सी कहानी



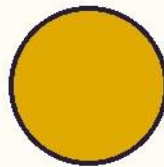
कृष्ण



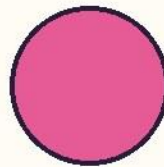
नील



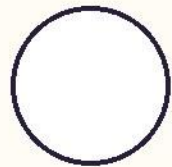
कापोत



पीत



पद्म



शुक्ल